



लैंगिक उत्तरदायी बजेट सम्बन्धी छलफल

काम हेरके मोर मूल्यांकन कैबी: एसपी राणा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेशको माननीय प्रदेश सभा सदस्यहरुकनसे लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट सम्बन्धी अन्तरक्रियात्मक छलफल कैगिल बा ।

महिला कानून र विकास मन्त्रालयको आयोजना ओ दलित महिला अधिकार मन्त्रालयको सहकार्यमे मंगरके रोज लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट सम्बन्धी छलफल कैगिल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारको उपसभामुख कोइली देवी चौधरीको प्रमुख आतिथ्यतामे हुइल कार्यक्रममे लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट बनाई परठ कना भिटरसे चाहना हुइपना बटैली । उहाँ कहली, 'प्रदेश सभा सदस्य मन्से ढेर माननीयहरुके मन्त्री बनसेकल मने लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट निर्माण कैना चासो नैडेहल डेखल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारको सामाजिक विकास समिति सभापति धर्मराज पाठक बनल ऐन, नीति कार्यान्वयन नैहुइल बटैली । नेपालके संविधानमे लैङ्गिक समानता सम्बन्धी उमान मेरिक अधिकार सुनिश्चित करल मने कार्यान्वयन नैहुइल उहाँ बटैली ।

नेपालके संविधानके धारा १८ मे



समानताके हक, धारा ३८ मे महिलाके अधिकार, धारा ४० मे दलितके अधिकार, धारा ५० मे राज्यके निर्देशक सिद्धान्त, लैंगिक समानता, समानुपातिक समावेशिकरण, स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४ लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशिकरण (लैससास) गाउँपालिका तथा नरपालिकाके काम, कर्तव्य र अधिकारमे लैससास सम्बन्धी व्यवस्था उल्लेख करल बा ।

महिला, एकल महिला, अपाडता रहल महिला, सीमान्तकृत वर्ग तथा

महिलाके समस्या सक्कु जनहन पत्ता बा मने निर्णाय निकायमे पुगे अपनेकेह सुविधा भोगी हुइना, सामाजिक विकासमे ध्यान नैगैल माननीय उम्बरी महरा बटैली ।

कार्यक्रममे स्रोत व्यक्ती संग्राम सिंह ब्लोन तामांग लैंगिक उत्तरदायी बजेट, अवधारणा, कार्यान्वयन तथा चुनौतीबारे प्रस्तुतीकरण करल रहित ।

उहाँ लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट: प्रस्तुतीकरण विषयबस्तु, लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट: विषयबस्तुके सोच, लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट का हो ?,

लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट काहे ?, जिआरबीमे बुझे पर्ना बाट, जिआरबीसे कैसिक महिलाहरुके सशक्तिकरण करठ ? लैङ्गिक समानताके प्रतिवद्धतामे जिआरबीसे कैसिक सहजीकरण करे सेकठ बारे जानकारी डेहल रहित ।

नेपालमे लैंगिक उत्तरदायित्व सम्बन्धी संवैधानिक तथा कानूनी व्यवस्था, लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट: विकासक्रम, लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट: नेपालके अवस्था, लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट: हालके प्रयासबारे जानकारी डेहल रहित ।

ओस्टेक प्रदेश तथा स्थानीय तहके लाग लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट नमूना निर्देशिका २०७७ मे रहल जिविकोपार्जन सशक्तिकरण, आवास सशक्तिकरण, विभेदजन्य नीति तथा अभ्यासमे परिवर्तनबारे जानकारी डेहल रहित ।

लैङ्गिक उत्तरदायीत्वके लाग संकेतबारे गहन छलफल कैगिल रहे । योजनाभितरके निर्दिष्ट क्रियाकलापके लाग संकेत नम्बर १, योजनाभितरके सहयोगी क्रियाकलापके लाग संकेत नम्बर २, ओ योजनाभितरके तटस्थ क्रियाकलापके लाग संकेत नम्बर ३ रहल बा ।

लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटके अनुगमन, मूल्यांकन तथा (बाँकी ४ पेजमे)



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रमुख प्रहरी उपरिक्षक बाल नरसिंह राणा आपन सेकठसम उत्कृष्ट काम कैना बटैले बटै ।

कैलाली जिल्लाके नेतृत्व सम्वहारलपाछे मंगरके पत्रकारहरुके करल परिचयात्मक तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रममे प्रहरी उपरिक्षक राणा सरुमे बाचा कैनासे फोन कुछ काम कैके डेखैना बटाइल हुइल । 'मै सरुमे यी करम उ करम कहिके नैकहम', उहाँ कहलै, 'कुछ मजा काम कैबु ओ अपनेहुके मोर काम हेरके मोर मूल्यांकन कैबी । मजा काममे

अपनेहुके सहयोग करबी कना फेन महिन विश्वास रहल बावै ।'

'कैलाली जिल्ला प्रदेश राजधानी रहल जिल्ला हो,' उहाँ कहलै, "औरे बात एकसय किलोमिटरसे ढेर भारतसंगके सिमाना जोरल बा, यहाँ अधिकांश जिल्लाके मनेनके बसोबास रहल जिल्ला हो, सक्कु कारणसे कैलालीमे ढेर काम करे पर्ना मै डेख्ले बटु, सिमा क्षेत्रमे हुइना तस्करी नियन्त्रणसे लागुऔषध नियन्त्रणसम प्रहरीके महत्वपूर्ण काम बावै, यकर साथे नागरिकके जिउ धनके रक्षा, अवैध क्रियाकलाप रोके पर्ना (बाँकी २ पेजमे)

शुक्लाफाँटामे खरमजोर गणना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेशके प्रसिद्ध शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे अति संकटापन्न खरमजोरके गणना करल बावै ।

निकुञ्ज कार्यालयके समन्वयमे नेपाल पन्थी संरक्षण संघ (बिसिएन) ओ कञ्चनपुर पन्थी संरक्षण समूहसे एक अठ्ठवारसम खरमजोर गणना करल हो । लोपके संघारमे पुगल यी प्रजातिके चिरैनके संख्या, अवस्था पत्ता लगाइक लाग हरेक बरस इहे बेला खरमजोर गणना कैना करल बावै ।

निकुञ्ज क्षेत्रमे खरमजोर गणना सम्पन्न हुइलेसे फेन ओकर रिपोर्ट अइना बाँकी रहल सूचना अधिकारी पुरुषोत्तम वाग्ले बटैली । "शुक्लाफाँटा निकुञ्ज



कार्यालयके अनुमतिमे बिसिएनसे खरमजोरनके गणना करसेकल बावै," उहाँ कहलै, "यी बरस खरमजोरके

अवस्था का कैसिन बावै, ओकर रिपोर्ट अइना अभिन बाँकी रहल बावै ।"

पाटेबाघसे फेन दुर्लभ होसेकल खरमजोर तीव्र गतिमे हेरैटी रहल बटै । गैल बरस वैशाखमे यी निकुञ्जमे पहिलचो गणना करेबर एकठो फेन खरमजोर भेटल नैरहित । जेठमे डोरसचो अवलोकन ओ 'स्विप एण्ड सच' विधिसे गणना करेबर किल दुई पोथी ओ तीन भाले सहित पाँचठो खरमजोर फेला परल रहित । उ बेला शुक्लाफाँटाके घाँसे मैदानमे चारठो ओ किसान मध्यवर्ती सामुदायिक वन क्षेत्रमे एकठो पोथी खरमजोर डेखल निकुञ्ज कार्यालय जानकारी डेले बावै ।

यी बरस तथ्यांक अडबेसम सार्वजनिक नैहुइलेसे (बाँकी ३ पेजमे)

सामाजिक सुरक्षा कोषमा सहभागी बनौं

► सामाजिक सुरक्षा कोषले सञ्चालन गर्ने योजना अन्तर्गत:

- औषधी उपचार तथा स्वास्थ्य सुरक्षा योजना,
- मातृत्व सुरक्षा योजना
- दुर्घटना सुरक्षा योजना,
- अशक्तता सुरक्षा योजना,
- आश्रित परिवार सुरक्षा योजना,
- वृद्धावस्था सुरक्षा योजना,
- बेरोजगार सहायता योजनामा सहभागी भई लाभान्वित हौंऔं ।

सामाजिक सुरक्षा कोषमा आवद्धता, आफनो र परिवारको भविष्य सुनिश्चितता ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ७ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२९२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दह्रि (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुडा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

कागूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दह्रि (९८२६४१६०१)

हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८८५४३०३६)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समेजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

धनगढी गाउँ-जुगेडा सडक खण्ड कालोपत्रे

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० वैशाख । लम्मा समयसे जीर्ण अवस्थामे रहल धनगढी गाउँ-जुगेडा जोर्ना सडकके एक खण्ड कालोपत्रे करल बावै ।

धनगढी गाउँस्थित हरिशक्तर काँटासे पुरबओर ५५० मिटरमे कालोपत्रे करल हो । बहुवर्षीय आयोजनाके रूपमे पहिल प्याकेजअन्तर्गत यी खण्डमे कालोपत्रेके लाग गत बरस ठेक्का सम्भौता करल रहे । ठेक्का हुइल खण्डमे कालोपत्रेके काम पूरा हुइल पूर्वाधार विकास कार्यालयसे जानकारी डेले बावै ।

काम हेरके मोर...

दायित्व बावै, यी दायित्व बोध ह्मे कैबी ।”

नागरिकहुके मजा कामके अननुभूती कैना मेरके काम कैना राणा बटैलै । ओस्टके प्रहरी उपरीक्षक राणा जनताहे सही सेवा डेहक लाग प्रहरीके आचरण, व्यवहार सुधार कैना कार्यमे लागल बटैलै । प्रहरी ओ प्रहरीके व्यवहार ठिक नैहुइसम जनता चाहल अनुसार सेवा डेहे नैसेक्ना कहटी उहाँ प्रहरीके आचरण ओ व्यवहार सुधारमे लागल बटैलै । ‘और जनहनहे सुधारक लाग ओ सेवा डेहक लाग सबसे पहिले ह्मे ठीक हुइ परल,’ उहाँ कहलै, ‘ह्मे ठिक हुइलपाछे और जनहनहे ठिक करे सेकब ।’

उहाँ होटल रेस्टुरेन्टमे वेश्यावृत्ति करैना कुहीहे फेन नैछीना, मने और जनहनहे अनावश्यक दुःख नैडेना बटैलै । राणा एकलौटी ढंगसे अपने काम नैकैना कहटी आघे कहलै, ‘पहिले मोर काम हेरवी, ओकरपाछे मूल्यांकन कैबी ।’

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ कित्ता नं. ११०२ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री सरस्वती कार्कीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपार्ईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: मनोजकुमार खड्का

पश्चिम: दिपा खड्का

उत्तर: सडक

दक्षिण: जयराम राना

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

दक्ष चालक बना सक्नु सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेकै ।

रूपी सिक्की, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ गुपुमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप प्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथै फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथै दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैदना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्नु सिकाए विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

लुप्त मूल्यवृद्धिके मारमे उपभोक्ता

भन्डै एक शताब्दीआघे ‘पाले ग्लुको’ नामसे भारतीय बजारमे आइल ‘पाले-जी’ बिस्कुटके खुद्रा मोल सन् १९९४ मे प्रतिप्याकेट भारतीय रुपियाँ चार रहे । २५ वर्षपाछे सन् २०२१ मे यकर मोल भार पाँच ढरगिल । यीबिच यकर तौल भर प्रतिप्याकेट एक सय ग्रामसे कैन्ने केके ५५ ग्राममे पुगाइल । ओकरपाछे फेन यी ‘अतिरिक्त पाँच ग्राम’ सहित ४५ ग्राममे पुगल । नेपाली बजारमे सहज उपलब्ध कफी जारमध्ये नेस्क्याफेके २५ ग्रामके जारहे २४ ग्रामके बनागिल । नेस्क्याफेके ५० ग्रामके जारहे पहिले ४८ ग्राम ओ पाछे ४५ ग्रामके बनागिल । अन्य परिमाणके जार किल नैहोके, कफीके एक ग्रामके स्याचेटहे फेन ०.९ ग्राममे भारगिल ।

कौनो बेला नेपाली बजारमे उपलब्ध २५ रुपियाँ मूल्यके ‘जम्बो प्याक’ तयारी चाउचाउ एक प्याकेट खाँके एक औसत मनै पेट भरल महसुस करे । वर्तमान समयमे ओहे मनै ओइसिन महसुस वा अनुभव नैकरठ । काहेकि ‘जम्बो प्याक’ चाउचाउके तौल प्रतिप्याकेट एक चौथाइसे घटके एक सय ग्रामसे ७५ ग्राममे पुगल बा । बिचमे यी ९० ग्रामके फेन हुइल । मूल्य रूपान्तरणके क्रममे ग्राहकहे मनोवैज्ञानिक दबाव डेना कुछ समयके लाग कुछ ग्राम ‘फ्री’ फेन ढरगिल । अन्य ब्रान्डके चाउचाउके प्याकेट ७५ से ६० ग्राममे पुगाइल बा । अध्ययन, अवलोकनसे स्याक्स, चकलेट, मिठाई, कार्बोनेटेड पेय पदार्थ, कार्बोनेटेड नैरहल पेय पदार्थ, फ्रोजन स्याक्स, आइसक्रिम, बेकरीजन्य उत्पादन, टिप्पु पेपर, ट्वाइलेट पेपर, स्पाम्पु, टुथपेस्ट आदि वस्तुके मूल्यमे हेरफेर नैकैके तौल, परिमाण वा आकार घटाइल पाइल बा ।

अस्तित्व ओ अर्थ

‘सिंकफ्लेसन’ मूलतः अर्थशास्त्रीय शब्द हो । अंग्रेजी ‘सिंक’ ओ ‘इन्फ्लेसन’ शब्द मिलके ‘सिंकफ्लेसन’ (संकुचित मुद्रास्फीति) बनल हो । यिहिने कौनो प्याकेजिडके आकार घटाके वा नैघटाके उत्पादनके परिमाणहे घटाके मोलहे यथावत् ढरना अभ्यासहे जनाइठ । यी लुप्त मूल्यवृद्धि हो ।

‘सिंकफ्लेसन’ हे जनैना ‘प्याकेज डाउनसाइजिङ’ (प्याकेजके आकार घटैना), ‘वेट-आउट’ (वजनघटैना), ‘प्राइस प्याक आर्किटेक्चर’ (मूल्य-प्याकेजिङ संरचना), ‘कन्टेन्ट रिडक्सन’ (सामग्रीमे कटौती), ‘साइज डिफ्लेसन’ (आकार संकुचन), ‘प्रोडक्ट सिंकेज’ (उत्पादन संकुचन), ‘क्वालिटी रिडक्सन’ (परिमाण कटौती) जैसन शब्द तथा पदावलीके प्रयोग हुइल पाजाइठ । मने, विकल्पके रूपमे प्रस्तुत पदसे ‘सिंकफ्लेसन’ के मूल मर्म- मोलमे हेरफेर नैकैके वस्तुके परिमाण वा आकार घटैना कर्महे जनाइठ कहिके ठोक्वा करे भर नैसेजगइ ।

‘सिंकफ्लेसन’ शब्दके जन्म हुइल ढेर हुइल नैहो । ‘सिंकफ्लेसन’ शब्दके पुरान ज्ञात प्रयोग सन् २००८ मे हुइल ‘अक्सफोर्ड इंग्लिस डिक्सनरी’ के वेबसाइटमे उल्लेख बा । यी शब्दसे शब्दकोशमे ठाउँ पाइल फेन भर्खर भर्खर किल हो । मेरियम-वेबस्टर डिक्सनरी

सन् २०२२ सेप्टेम्बरमे शब्दकोशके प्रविष्टिमे औपचारिक रूपमे यी शब्द थपल । अक्सफोर्ड इंग्लिस डिक्सनरी सन् २०२४ मे यिहिने औपचारिक रूपमे समावेश करल । व्यवहारमे ‘सिंकफ्लेसन’ के अभ्यास यीआघे होसेकल रहे । उत्पादनके मूल्य सिधे बढैना क्रोतामे नकारात्मक धारणा जन्मे सेक्ना ओ उहाँहुके भड्के सेक्ना डरसे उत्पादक-विक्रेता लुप्त मूल्यवृद्धिके छड्के उगार पकरठै । सिद्धान्ततः बहल उत्पादन

भारत ओ चीन नेपालके प्रमुख व्यापारिक साझेदार मुलुक हो । सीमाना जोरल यी दुई छिमेकी देशमे प्रचलित ‘सिंकफ्लेसन’ लगायतके व्यापारिक अभ्यासके प्रत्यक्ष-परोक्ष असर नेपालमे फेन परठ । नेपाली बजारमे उपलब्ध भारतीय ब्रान्डके कुछ बिस्कुटके उत्पादन सहायक कम्पनीके रूपमे नेपाली कम्पनीसे नेपालमे करटि आइल बा । अइसिन स्थितिमे माउ कम्पनीके बजारीकरण तथा मूल्य निर्धारण रणनीतिसे नेपाली उत्पादन निर्देशित हुइठ ओ ओहे क्रममे ‘सिंकफ्लेसन’ के अभ्यास हुइना स्वाभाविक रहठ । चिनियाँ तथा भारतीय बजारमे ‘सिंकफ्लेसन’ अभ्याससे मान्यता पैनाके अर्थ नेपाली बजारमे फेन उहिनसे मान्यता पाइठ । टबेमारे ४३ प्रतिशत चिनियाँ ओ ३० प्रतिशत भारतीयके लाग ‘सिंकफ्लेसन’ स्वीकार्य रहल पैना नेपालके लाग चिन्ता ओ चासोके विषय हो । विशेषज्ञके धारणामे ‘सिंकफ्लेसन’ अस्थायी प्रवृत्ति नैरहे सेकठ । तुलनात्मक रूपमे उपभोक्ता सचेतना कम रहल अनुभव करल नेपाल जैसिन मुलुकके लाग यी थप चासोके विषय हो । ‘सिंकफ्लेसन’ तथा ‘स्किम्पफ्लेसन’ (उत्पादनके मूल्य समान ढैके उत्पादनके गुणस्तर खस्कैना) जैसिन कार्य ओ अभ्यासके प्रकार, प्रकृति ओ सम्बोधनके उपायबारे चिन्तनमनन कैके विद्यमान उपभोक्ता संरक्षण ऐन, नियमावली ओ सरोकारके अन्य ऐन, नियममे उ अनुरूपके अनुकूलन तथा परिमार्जन आवश्यक बा । साथे अइसिन अभ्यास/प्रयोगके शैक्षिक तथा प्राज्ञिक अध्ययनके खाँचो बा । उपभोक्ता हकहितके लाग कार्यरत संघसंस्था फेन यम्ने ध्यान डेना जरुरी डेखाइठ ।

लागतके दबाव कम करना बजारीकरण ओ मूल्य निर्धारण रणनीतिके रूपमे अइसिन अभ्यास हुइठ । आमउपभोक्ता भर उत्पादनके आकार वा परिमाणमे हुइल परिवर्तनप्रति अनभिज्ञ रहठै/रहे सेकठै । अनभिज्ञ उपभोक्ता ‘सिंकफ्लेसन’ के भुक्त्यानमे परे सेकठ । ‘सिंकफ्लेसन’ के भुक्त्यानमे परल उपभोक्तासे बिटल दिनमे जा जत्रा पैसा तिरके आइल रहै, उ तिरटि बटै । उहाँहुकनमध्ये कुछ टे काल्ह, परौ वा कुछ महिनाआघे किनल सामान आजके दिनमे किन्के अपन गोभु ढेर हलुक हुइल चाल नैपैठै । हो, कुछ उपभोक्ता भर घरमे सामान हलि हलि ओराइल लागल कटि चिन्तित हुइ सेकठै ।

कुछके घरमे ओहे कारण ठाकठुक फेन परे सेकठ । नेपाली उपभोक्ता ओ बजार मनोविज्ञान फेन अपवाद नैहो ।

क्याम्ब्रिज डिक्सनरी यिहिने ‘मूल्य नैबहाके मूल्य बढैना एक धूर्त तरिका’ सम कहल बा । सन् २०२४ अप्रिलमे फ्रान्सके तत्कालीन अर्थमन्त्री टे ‘सिंकफ्लेसन अभ्यास एक घोटाला हो’ समेत कले रहै । प्रयोगकर्ता ओ उपभोक्ताके अधिकारके लाग कार्यरत इटालीके एक संस्था ‘कोडाकोन्स’

सर्वेक्षण प्रतिवेदनमे उल्लेख हुइल अनुसार विश्वके ३३ मुलुकके ४६ प्रतिशत उपभोक्ता बिटल छ महिनामे ‘उत्पादनके आकार छोट हुइटि रलेसे फेन मूल्य ओस्टे रहल डेखल’ बताइल बा । यी हिसाबसे सामान्यतः प्रत्येक दोसर व्यक्तिसे यकर अनुभव करल बा । अइसिके अनुभव करना क्रोतामे सबसे ढेर बेलायती (६४ प्रतिशत) रहल सर्वेक्षणसे देखाइल बा । ओकरपाछे फ्रान्स (६३ प्रतिशत), जर्मनी (६२ प्रतिशत) ओ क्यानडा (६० प्रतिशत) के बा । एसियाली मुलुक भारत ओ चीनके ३०-३० प्रतिशत ओ ल्याटिन अमेरिकी मुलुक कोलम्बियाके २८ प्रतिशत उपभोक्ता रहल बा । सर्वेक्षण करल मुलुकके सूचीमे नेपाल नैहो । संयुक्त अधिराज्यके अर्थतन्त्र, समाज ओ जनसंख्याबारे तथ्यांक संकलन करटि आइल बेलायती संस्था ‘अफिस फर नेसनल स्टैटिस्टिक्स’ सन् २०१५ सेप्टेम्बरसे २०१७ जुनके अवधिमे २०६ उत्पादनके आकार खुम्चल पाइल तथ्य सन् २०१९ मे सार्वजनिक करल रहे । ‘सिंकफ्लेसन’ अभ्यास विश्वव्यापी बा । नेपाली उपभोक्तासे फेन अइसिन अभ्यास/प्रयोगहे जानके वा नैजानके, चाहके वा नैचाहके फेन स्विकरटि बटै । उ देशके उत्पादन रहे वा आयातित दुनुमे बा । अइसिन अवस्थामे ‘मौन स्वीकृति: लक्षणम्’ अर्थात् मौनता नै स्वीकृतिके लक्षण हो कना कथनके पदचिह्नहे नेपाली उत्पादक तथा उपभोक्तासे फेन पछ्याइल बा ।

अस्वीकरण स्वरहरू ओ नियमन प्रयास

इप्सस सर्वेक्षणमे सहभागीमध्ये समग्रमे ४८ प्रतिशत ओहे मूल्य ढैके उत्पादनके आकार घटैना कार्य अस्वीकार्य रहल जनाइल बा । ‘सिंकफ्लेसन’ प्रति सचेत नागरिकके विमतिके यी एक बलगर संकेत हो । यम्ने फ्रान्स ओ टर्की शीर्ष स्थानमे बा । फ्रान्समे ६७ प्रतिशत ओ टर्कीमे ६६ प्रतिशतसे अइसिन अभ्यास अस्वीकार्य रहल जनाइल बा । समग्रमे २२ प्रतिशत उपभोक्तासे यिहिने स्वीकार्य मानल बा । स्वीकार्य तथा अस्वीकार्यके दोसाँधमे २३ प्रतिशत उपभोक्ता बटै । एसियाली मुलुकमे अधिकतम ३७ ओ न्यूनतम २० प्रतिशतसे यिहिने अस्वीकार्य मानल बा । भारतमे २९ प्रतिशत ओ चीनमे २२ प्रतिशत अइसिन अभ्यासहे अस्वीकार्य बटैले बटै । अस्वीकरण वा विमतिके स्वर कम हुइना कलेक ‘सिंकफ्लेसन’ के अभ्यासप्रति मौन स्वीकृति जनाइल जनाजाइठ, यिहिनसे यी ओ अइसिन अभ्यासहे दुरुस्साहन करठ ।

यीबिच अइसिन अभ्यासके विरुद्ध आवाज उठैना ओ वैधानिक रूपमे अइसिन अभ्यासउपपर अंकुश लगैना प्रयासके सुरुवात फेन हुइल पाजाइठ । युरोपेली संघ *(बाँकी ३ पेजमे)*

विचार

कृष्ण श्रेष्ठ

सर्वेक्षण प्रतिवेदनमे उल्लेख हुइल अनुसार

विश्वके ३३ मुलुकके ४६ प्रतिशत

उपभोक्ता बिटल छ महिनामे ‘उत्पादनके

आकार छोट हुइटि रलेसे फेन मूल्य

ओस्टे रहल डेखल’ बताइल बा । यी

हिसाबसे सामान्यतः प्रत्येक दोसर

व्यक्तिसे यकर अनुभव करल बा ।

अइसिके अनुभव करना क्रोतामे सबसे

ढेर बेलायती (६४ प्रतिशत) रहल

सर्वेक्षणसे देखाइल बा । ओकरपाछे

फ्रान्स (६३ प्रतिशत), जर्मनी (६२

प्रतिशत) ओ क्यानडा (६० प्रतिशत) के

बा । एसियाली मुलुक भारत ओ चीनके

३०-३० प्रतिशत ओ ल्याटिन अमेरिकी

मुलुक कोलम्बियाके २८ प्रतिशत

उपभोक्ता रहल बा । सर्वेक्षण करल

मुलुकके सूचीमे नेपाल नैहो । संयुक्त

अधिराज्यके अर्थतन्त्र, समाज ओ

जनसंख्याबारे तथ्यांक संकलन करटि

आइल बेलायती संस्था ‘अफिस फर

नेसनल स्टैटिस्टिक्स’ सन् २०१५

सेप्टेम्बरसे २०१७ जुनके अवधिमे २०६

उत्पादनके आकार खुम्चल पाइल तथ्य

सन् २०१९ मे सार्वजनिक करल रहे ।

‘सिंकफ्लेसन’ अभ्यास विश्वव्यापी बा ।

नेपाली उपभोक्तासे फेन अइसिन

अभ्यास/प्रयोगहे जानके वा नैजानके,

चाहके वा नैचाहके फेन स्विकरटि बटै ।

उ देशके उत्पादन रहे वा आयातित

दुनुमे बा । अइसिन अवस्थामे ‘मौन

स्वीकृति: लक्षणम्’ अर्थात् मौनता नै

स्वीकृतिके लक्षण हो कना कथनके

पदचिह्नहे नेपाली उत्पादक तथा

उपभोक्तासे फेन पछ्याइल बा ।

अस्वीकरण स्वरहरू ओ नियमन

प्रयास

इप्सस सर्वेक्षणमे सहभागीमध्ये

समग्रमे ४८ प्रतिशत ओहे मूल्य ढैके

उत्पादनके आकार घटैना कार्य

अस्वीकार्य रहल जनाइल बा ।

‘सिंकफ्लेसन’ प्रति सचेत नागरिकके

विमतिके यी एक बलगर संकेत हो ।

यम्ने फ्रान्स ओ टर्की शीर्ष स्थानमे बा ।

फ्रान्समे ६७ प्रतिशत ओ टर्कीमे ६६

प्रतिशतसे अइसिन अभ्यास अस्वीकार्य

रहल जनाइल बा । समग्रमे २२ प्रतिशत

उपभोक्तासे यिहिने स्वीकार्य मानल

बा । स्वीकार्य तथा अस्वीकार्यके दोसाँधमे

२३ प्रतिशत उपभोक्ता बटै । एसियाली

मुलुकमे अधिकतम ३७ ओ न्यूनतम २०

प्रतिशतसे यिहिने अस्वीकार्य मानल

बा । भारतमे २९ प्रतिशत ओ चीनमे

२२ प्रतिशत अइसिन अभ्यासहे अस्वीकार्य

बटैले बटै । अस्वीकरण वा विमतिके

स्वर कम हुइना कलेक ‘सिंकफ्लेसन’

के अभ्यासप्रति मौन स्वीकृति जनाइल

जनाजाइठ, यिहिनसे यी ओ अइसिन

अभ्यासहे दुरुस्साहन करठ ।

यीबिच अइसिन अभ्यासके विरुद्ध

आवाज उठैना ओ वैधानिक रूपमे

अइसिन अभ्यासउपपर अंकुश लगैना

प्रयासके सुरुवात फेन हुइल पाजाइठ ।

युरोपेली संघ *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मूर्गानके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम उतिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी

केभी मासु पसल

बेयाबेहदी चौक, धनगढी कैलाली शाद उर्मावि लगे मो. ९८११६३५६८०

एक्जुलेन्स नम्बर ९८३५६८९६९७, ९८५६४७००१८, ९८९४६०८०५६, ९८९४६८००६८, ९८९४६६०२८५

प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९५०१,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९६९९,११०

ईप्राका अतरीया ०९१-५४०९२२

त्रिनागर प्रहरी चौकी ०९१-५२९१८३

जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९१५३

ईप्राका मसुरिया ०९१-४०२०१४

ईप्राका चौमाला ०९१-६९३५७१

ईप्राका लम्की ०९१-५४०९१९

ईप्राका भजनी ०९१-५८०९१९

ईप्राका सुखुखड ०९१-५२९१६६

ईप्राका मालाखेती ०९१-५४०९२२

ईप्राका फल्टरे ०९१-६०३३३०

ईप्राका हसुलिया ०९१-५२९१४४

ईप्राका पाण्डेन ९७४९०९१०४

सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९३०६

ईप्राका टीकापुर०९१-५६०९१९

स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

नैक

नवजिवन राष्ट्र बैंक ०९१-३९३३३

नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३

कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३३

मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८

बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६

बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०

नेपाल ग्लोदेश बैंक ०९१-५२९७८५

सिटिजन बैंक ०९१-५२७८८५

कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८

सनराईज बैंक ०९१-५२८८५०

नेपाल इन्नेसमेन्ट बैंक०९१-५२३७०६

एनएमडी बैंक लि.०९१-५२९२९६

सरकारी कार्यालय

जिल्ला प्रशासन .०९१-५२९१०१

जिल्ला विकास .०९१-५२३५६०

नगरपालिका .०९१-५२९४३९

मालपोत.०९१-५२९२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०३

कृषि विकास .०९१-५२३२५५, भूमि सुधार.०९१-५२९२३४

जिल्ला हुलाक.०९१-५२९१५३, नेपाल बाल संगठन: ५२६६६५

अस्पताल

सेती अञ्चल.०९१-५२९२७१

नवजिवन ०९१- ५२९२३३/५२९७३३

विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३५३५

पद्मा धनगढी ०९१-५४०३५५

सेवा गर्लिंग होम अतरीया ०९१-५४०७१७

एम्कुलेन्स मसुरिया ९७४९०९८०८१

घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७

टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०९५०

दमकल १०१

नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-५२९३३३

कैलाली उ.वा.संघ ५२९३३३, ५२३९७१

एम्कुलेन्स : ५२९६००

साप्ताहिक एम्कुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४५५७५०

बिद्युत : ५२९१४५

दिनेश मेडल ०९१-५२९३९२

होटल

डिजेली ०९१-५२३९१८/५२९३३१

जगदम्बा०९१-५२३५१०, विद्या०९१-५२३७०३

तरुण ०९१-५२३६९३, सनलाईट०९१-५२९५३६

वर्ल्ड लिंक धनगढी : ५२०५५१

बालुवाला०९१-५२२८३०/५२९७१०

नेपाल पत्रकार महासंघ : ५२७१२२

शैक्षिक संस्था

कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९२३३

सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९१२

ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९०७९

राजनैतिक पार्टी

नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२९४९५

नेकाप (एमाले) कार्यालय : ५२९०१०

बसपाके कागडर धनगढी : ०९१-५२९२५२

एफएम

दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-५२६०७१



बुढीगंगा नगरपालिकाके १५ बुँदे प्रतिबद्धतापत्र सार्वजनिक पर्यटन गन्तव्य बन्टि कुलपानी

बाजुरा, ३० बैशाख । बाजुराके बुढीगंगा नगरपालिका आपन पालिकाके विकासके लाग १५ बुँदे साभ्ना प्रतिबद्धता पत्र जारी करले बावै ।

समृद्ध बुढीगंगा निर्माणके लाग तीन दिनसम आयोजना करल “समृद्धिके आधारके लाग बुढीगंगा विकास कचहरी” से आइल निष्कर्षके आधारमे सोम्मार साँभ उ प्रतिबद्धता जारी करल हो ।

“विकास कचहरी” मे बाजुराके प्राय सक्कु दलके नेता, बाजुराके टमान पालिका प्रमुख, उपप्रमुख, विषय विज्ञ, नागरिक समाज, बुद्धिजीवी, कर्मचारी, सरकारीवाला पक्ष ओ आम नागरिकहरुनके बुढीगंगाके विकासके लाग सुभाब डेहल रहिट । उ प्रतिबद्धता पत्रमे राजनीति पालिकाके समृद्धी ओ विकासके लाग हुइ पर्ना मूल मन्त्रसे लेके शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पूर्वाधार, सूचना प्रविधि, वातावरण संरक्षण, पर्यटन प्रवर्द्धन, रोजगारी सिर्जना ओ लैङ्गिक समावेशी करण लगायतके बहुक्षेत्रीय विषय समेटल बावै ।

बुढीगंगा नगरपालिकाके नगर प्रमुख रामबहादुर बानिया प्रतिबद्धता सार्वजनिक कैटी राजनीतिक दलसे बुढीगंगा नगरपालिकाके विकासमे एकमत रहीके स्रोत व्यवस्थापनमे सक्रिय भूमिका खेल्ना, गुणस्तरीय ओ प्राविधिक शिक्षाके विस्तार गरी दक्ष जनशक्ति उत्पादनमे जोड, आधुनिक कृषि प्रणाली, पशुपालन



ओ बजार प्रणाली विकास, पाँच बरसभित्रे सक्कु घरधुरीमे बिजुली ओ दुई बरसभित्रे धुँवारहित चुल्हा पुगैना योजना समेटल बावै ।

ओस्टके, नदीजन्य ओ खानीजन्य स्रोतके सदुपयोग ओ वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन, १५ शैट्याके अस्पताल निर्माण सम्पन्न कैके स्वास्थ्य बीमा ओ मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम धार्मिक-ऐतिहासिक सम्पदाके संरक्षण ओ प्रवर्द्धन, भवन संहिता कार्यान्वयन, नवनिर्माण संरचना बालमैत्री ओ भूकम्प प्रतिरोधी, सभाहल, पार्किङ, खेलमैदान, सडक स्तरोन्नती लगायत सार्वजनिक संरचना विस्तार, इन्टरनेट विस्तार, सेवा प्रवाहमे अनलाइन प्रणालीके उपयोग, एक बरसमे डिजिटल गुनासो सुनुवाइ ओ पाँच बरसभित्रे एसएमएसमे आधारित सूचना सेवा सुरु कैना फेन प्रतिबद्धता पत्रमे उल्लेख बावै ।

प्रतिबद्धता पत्रमे सामाजिक समावेशीकरण ओ सशक्तिकरणके लाग कोष स्थापना, सहकारी संस्थाके व्यवस्थापन ओ नियमन, साना मझौला उद्योग प्रवर्द्धन, सीप विकास केन्द्र विस्तार, स्वच्छता ओ फोहर मैला व्यवस्थापनहे सशक्त बनैटी पूर्ण सरसफाइयुक्त नगर बनैना फेन समेटल बावै । उ अवसरमे बोल्टी नगर प्रमुख बानियाँ बुढीगंगाके समृद्धि अब भाषणके दिशामे आधे बहना सक्कु जनहनके साथ ओ सहयोगके अपेक्षा करल बटैलै ।

१५ बुँदे प्रतिबद्धतापत्रसे बुढीगंगा नगरपालिकाहे समृद्धि ओ सुशासन ओर लैजैना स्पष्ट मार्गचित्र तयार हुइल अधिकार राजनीतिज्ञ ओ विषय विज्ञ बटैले बटै । बाजुरासे ०४८ ओ ०६४ मे नेपाली कांग्रेससे प्रतिनिधि सभामे निर्वाचित पूर्व प्रदेश प्रमुख देवराज जोशी

विकासके लाग सक्कु दल एक ढिक्का होके लागे पर्ना जोड डेहल रहिट ।

एमालेके स्थायी कमिटी सदस्य तथा संविधान सभाके सदस्य कर्णबहादुर थापा लोकप्रियताके लाग नैहोके आपन सामर्थ्यके आधारमे सक्कु दलहे साथमे लेके पालिकाके विकासके लाग लागे पर्ना बटैलै । उहाँ विकास पाछे फेन करे सेकजाए मने मस्तिस्क बिगलपाछे मनै समाप्तीके डगरामे जैना बटैटी विज्ञान ओ प्रविधिके दुरुपयोग कैके मनैनके मस्तिस्क विगना काम हुइटी रहल ओरसे उहीसे सचेत बनैना फेन स्थानीय तहके सरकारके समेत जिम्मेवारी रहल धारणा राखल रहिट ।

“विकास कचहरी” के उद्घाटन ओ समापन आधे दलके नेता, विज्ञ ओ स्थानीयहूके पालिका जनताके लगगे सरकार रहल ओरसे आग्रह, पूर्वाग्रहसे मुक्त होके काम करे पर्ना जोड डेहल रहिट । प्रतिनिधि सभा सदस्य होसेकल जिल्ला विकास समितिके पूर्व सभापति लालबहादुर थापा पालिकासे कार्यान्वयन पक्षमे ध्यान डेहे पर्ना बटैटी स्थानीय उत्पादन बहाइ पर्ना ओ ओकर विक्रीके लाग बजारके व्यवस्था करे पर्नामे जोड डेहल रहिट ।

उ अवसरमे प्रदेश सभाके सदस्य नेकपा (एकीकृत समाजवादी) के नरेशबहादुर शाही ओ नेपाली कांग्रेसके पद्मबहादुर शाही विकासके संरचना ओ बजेट सही ढंगसे सदुपयोग कैना जनता आउर जिम्मेवार हुइ पर्नामे जोड डेहल रहिट ।

कार्यक्रममे संविधान सभाके सदस्य पेम्बा भोटे शेर्पा, बसुन्धरा रोकाया, प्रदेश सरकारके पूर्वमन्त्री प्रकाशबहादुर शाह, माओवादीके नेतृ पूर्व प्रदेश सभा सदस्य देवकी मल्ल, अछाम जिल्ला विकास समितिके पूर्व सभापति कृष्णप्रसाद जैसी, एमालेके जिल्ला अध्यक्ष लालबहादुर ओली, कांग्रेसके पूर्व सभापति मानबहादुर रावल, बुढीगंगा नगरपालिकाके पूर्व मेयर दीपकविक्रम शाहलगायतके दलके नेताहूके अपनेहुके चुनावमे आपन दल जिताइक लाग लगलेसे फेन विकासके मुद्दामे सहयात्रा कैके जैना प्रतिबद्धता व्यक्त करल रहिट ।



घोराही, ३० वैशाख । दाडके गढवा गाउँपालिका-१, बडहरामे रहल कुलपानी हरित पार्क पाछेकसमय आन्तरिक पर्यटकके रोजाइमे परल बा । सिमसार क्षेत्रहे संरक्षण करटि कुलपानी समुदायिक वन समूह पर्यटन प्रवर्धनके लाग हरित पार्क, जलाशयसँगे काठके भ्यूटावर निर्माण करलपाछे आन्तरिक पर्यटनके गन्तव्यके रूपमे विकास हुइल हो ।

वन समूहसे कृत्रिम जलाशयसँगे पार्क निर्माण कैके बाघ, गैंडा, जरायो, घोडा, मयुरलगायतके टमान प्रजातिके चराके प्रतिमा बनाइलपाछे पार्कमे घुम्ना ओ पिकनिकके लाग अइना मनैके संख्या बहके वन समूहके अध्यक्ष नवराज शर्मा बटैलै ।

कुलपानीमे पर्यटकहे आकर्षण करना मेरिक पार्कसँगे पोखरीमे काठके पुल, भ्यूटार निर्माणसे थप आकर्षण बहैना काम करल बटैलै ।

काठसे बनल ओ देउखुरी क्षेत्रमे मनै प्रयोग करल लडिया, ढुंगा, कोल, ढिकी, हलो, जुवा, ठेकीलगायतके परम्परागत सामग्री संकलन करलेसे फेन ढरना उपयुक्त ठाउँ नैपाके समस्या हुइटरहल अध्यक्ष शर्मा बटैलै । “काठके सग्रहालय स्थापना करना मेरिक वन समूह टमान सामग्री संकलन करल बा मने

ठाउँके अभावमे सञ्चालन करे सेकल नैहो,” उहाँ कलै । प्राकृतिक स्रोतसाधनके संरक्षणसँगे आन्तरिक पर्यटनके विकास करेक लाग कुलपानीमे पूर्वाधार विकासके लाग लगानी करना आवश्यक रलेसे फेन उ अनुसारके सहयोग प्राप्त हुइ नैसेकल उहाँ बटैलै । लगानी अभावमे बाल उद्यान, जंगली पशुपन्छीके लाग खोरसँगे तारबार करना काम करे नैसेकल उहाँ बटैलै ।

उहाँके अनुसार वन समूह पर्यटन प्रवर्धनके माध्यमसे एक वर्षके अवधिमे १० लाख रुपियाँसे ढेर आमदानी करल बा । वन समूहसे पार्क घुमे जैना आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकसे गैल सावनसे चैतसम टिकटसे पाँच लाख ११ हजार, पार्कमे फोटु खिन्ना क्यामरा प्रयोग करना व्यक्तिके एक लाख २८ हजार, ढुंगा सञ्चालनसे एक लाख २३ हजार, पिकनिकके लाग भाडा प्रयोगसे ८० हजारलगायत साउन्ड सिस्टम प्रयोगलगायतसे एक वर्षके अवधिमे १० लाख ८० हजार ४५६ रुपियाँ आमदानी करना सफल हुइल अध्यक्ष शर्मा बटैलै । उहाँके अनुसार हालसम ५१ हजारसे ढेरजे अवलोकन करले बटै । पार्कमे घुमे आइलसँगे २० से ३० रुपियाँसम लेना करल बा ।

लैंगिक उत्तरदायी...

प्रतिवेदन, जिआरवी कार्यान्वयनके लाग संस्थागत प्रबन्ध स्थानीय तह, प्रदेश तह, संघीय तह, राष्ट्रिय योजना आयोगबारे छलफल हुइल रहे ।

लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट समितिके संरचना संघीयस्तरमे रहल बा । छलफल कार्यक्रममे प्रदेशस्तरमे हाली बनाइक लाग सदनमे आवाज उठैना प्रदेशसभा सदस्य

रमेश धामी बटैलै ।

कार्यक्रमके संचालन दलित महिला अधिकार मञ्चके अध्यक्ष सावित्रा घिमिरे ओ स्वागत तथा कार्यक्रमके उद्देश्यबारे जानकारी महिला कानून र विकास मञ्चके अधिवक्ता सागर पाठक करल रहिट । छलफल कार्यक्रममे सुदूरपश्चिम प्रदेशके टमान समितिके सभापति तथा प्रदेशसभा सदस्यहुकनके सहभागिता रहे ।

विपद् पूर्व तयारीमे जुट्लै समुदाय



पहुरा समाचारदाता धनगढी, ३० बैशाख । कैलालीमे स्थानीयस्तरमे विपद् पूर्व तयारी सुरु करले बटै । बाढ, डुबान जैसिन प्राकृतिक प्रकोपसे जीउधनके सुरक्षाके लाग पूर्व तयारी सुरु करल हो । यी जिल्ला हरेक बरस बाढ, डुबानके समस्या भेल्टी आइल बावै । बर्सेनि अइना प्राकृतिक विपद्से बचक लाग डुबान प्रभावित क्षेत्रके स्थानीय पूर्व तयारीमे जुटल बटै ।

मोहना, पथरैया, कान्द्रा लडियाके दोभानके कोखमे रहल अतिसंकटासन्न टीकापुर नगरपालिका-७ मे बर्खा लग्नासे अगही पूर्व तयारी सुरु करल बावै । उ वडाके बैदीमे एक करोड २१ लाख रुपियाँ लागतमे बहुउद्देश्यीय समावेशी सुरक्षित आश्रयस्थल भवन निर्माण करल बावै । समुदायमे आधारित

विपद् जोखिम न्यूनीकरण परियोजनामार्फत आश्रयस्थल निर्माण हुइल हो । यी परियोजना परराष्ट्र मन्त्रालय जापान तथा वर्ल्ड भिजन जापानके आर्थिक सहयोगमे वर्ल्ड भिजन इन्टरनेशनल ओ सामाजिक विकासके लाग सचेत समाजके साभेदारीमे सञ्चालित बावै ।

स्थानीय विष्णुराम जैशी डेढ कट्ठा जग्गा दानमे डेहलपाछे आधुनिक बहुद्देश्यीय समावेशी सुरक्षित आश्रयस्थल भवन निर्माण हुइल सामुदायिक प्रकोप व्यवस्थापन समिति राष्ट्रिय सञ्जाल नेपालके अध्यक्ष भोजराज ढुंगाना जानकारी डेलै । उहाँके अनुसार उच्च धारासहितके उ आश्रयस्थलमे ५०-६० घरपरिवार बैठे सेक्ना बटै ।

“विशेष कैके बाढ विपद् वा अन्य

कौनो महामारी, प्रकोपके बेला यी आश्रयस्थल भवन समुदायसे प्रयोग करे सेक्ना बटै”, ढुंगाना कहलै । भर्खरे निर्माण सम्पन्न हुइल उ आश्रयस्थल भवन टीकापुर नगरपालिकाहे हस्तान्तरण करल बावै । ओस्टके, स्थानीय दातासे दान करल जग्गा फेन वडा कार्यालयके नाउँमे नामसारी करल बावै ।

बैदीमे रहल औरै सुरक्षित भवनमे विपद् पूर्व सूचना डेना स्वचालित साइरन जडान करल बावै । प्राक्टिकल एक्सन ओ बिडइ ग्रुपके सहयोगमे करिब सात लाखके स्वचालित साइरन जडान करल हो । बाढी विपद्, चट्याड, हावाहुरी, आगलागी लगायतके प्रकोपके बेला साइरनसे पूर्व सूचना डेना ढुंगाना बटैलै । साइरनके आवाज दुई किलोमिटर दुरसम सुनजैना जनाइल बावै ।

मोहना, पथरैया लडियाके बाढसे बर्सेनि दुःख डेटी आइल बैदीमे किल तीनठो सुरक्षित आश्रयस्थल भवन बनसेकल बावै । उहीसे आधे, प्रदेश सरकारसे एकठो सुरक्षित आवास भवन निर्माण करल रहे । वहाँ अभिन फेन सुरक्षित आवास भवन अपुग रहल अध्यक्ष ढुंगानाके कहाइ रहल बावै । ओस्टके, विपद्से अन्नबाली सुरक्षित करे सेकजैना खाद्य सुरक्षा भण्डारके अति जरूरी रहल जनाइल बावै ।

ग्राहक वर्गहरुमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेल्मेट र पार्ट्सहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

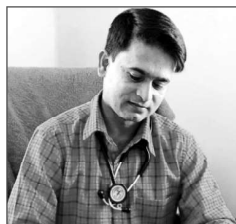


संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!



डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ

कन्सल्टन्ट फिजिसियन (पेट,

छाती, मूट्र, कलेजो, मधुमेह

(सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड

रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरु

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको घडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, द्याउ-दयाउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुनिने, पहेलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुनिने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरुच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको घडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा भ्रम-भ्रम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाक्ने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरीरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेसन) । ४) हाडा(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडाजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडको अप्रेसन आदि सेवा ।



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९